



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 610]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 22, 1986/पौष 1, 1908

No. 610]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 22, 1986/PAUSA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संखालन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1986

प्रधिकूचना

सं. 466/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 1301(थ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रबल अधिनियमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (17वां संशोधन) नियम, 1986 है।  
(2) ये राजपत्र में में प्रकाशन की सारीय को प्रकृत होंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में,—  
(1) नियम 173 थ में,—  
(i) उपनियम (1) खण्ड (खण्ड) के स्थान पर निम्न-लिखित खण्ड रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“(खण्ड) अतिम उत्पादों के विनियम में प्रकृत किए जाने के लिए नियमों की बाबत गलती से या यह सुनिश्चित करने के लिए कि समृच्छित कारबाही किए बिना उक्त नियमों पर समृच्छित शुल्क उत्तीर्ण रूप में संदर्भ किया गया है जैसा कि गेट पास में या इन नियमों के अधीन अनुमोदित किसी अन्य वस्तावेज में उपर्याप्ति है, जो व्यापारिति इसके साथ उत्पाद शुल्क या प्रतिरोधी शुल्क के संबंध के साथ स्वरूप है, मुजरा प्राप्त करता है या ऐसे शुल्क का मुजरा भेता है जो वह जानता है या जिसके बारे में उसे ऐसा विश्वास करते का कारण है कि वह इन नियमों के अधीन अनुमात नहीं है, या नियमों का उपयोग इन नियमों में उपबंधित रीति से नहीं करता है, या इन नियमों के उपबंधित रीति से किसी का उल्लंघन करते हुए नियमों की बाबत शुल्क के मुजरे का उपयोग करता है, या इन नियमों के अधीन जैसा अपेक्षित है उसके अनुसार उक्त नियमों का प्राप्ति और व्यय और उन पर लिए गए शुल्क के मुजरे का समूचा और लही हिसाब नहीं देता है या इन नियमों के अध्याय की धारा कक्ष में अन्तविष्ट किए हुए उपबंधित का उल्लंघन करता है, या

(खबर) उसके द्वारा हटाए गए माल के लिए जारी किए गए गेट-पास में जानबूझकर कोई गलत या अशुद्ध विषयिक्याएँ इस आशय से दर्ज करना है कि जेना ऐसे मालों की बाबत शुल्क के मुजरे का साथ देने की सुविधा पा जाए, जो इन नियमों के अधीन अनुशास नहीं है”, या;

(ii) उपनियम (1) के पञ्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अधृत् :—

“स्पष्टीकरण : उपनियम (1) के खण्ड (खबर) के प्रयोगों के लिए किसी व्यक्ति के बारे में, जो उसके द्वारा प्राप्त किए गए निवेशों पर शुल्क के मुजरे का उपयोग करता है, यह समझा जाएगा कि उनके “युक्तियुक्त कदम” उठाए हैं यदि वह व्यास्थिति ऐसे विनियमित या प्रदायकर्ता, जो इन नियमों के अधीन अनुमोदित गेट-पास या कोई अन्य दस्तावेज जारी करता है, जो इस बात के माध्यमस्थल्क है कि यथास्थिति उत्पादनकारी या प्रतिरोधी शुल्क का संदेश किया गया है, की पहचान और पते के बारे में अपना समाधान

(क) या सी अपनी व्यक्तिक जानकारी से, या

(ख) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसके हस्ताक्षर या छन्दोलेख में वह परिचित है, दिए गए प्रमाणपत्र के बल पर, या

(ग) व्यास्थिति विनियमित या प्रदायकर्ता को ऐसे केवल उत्पादनकारी अधीक्षक द्वारा, जिसको अधिकारिता के भीतर विनियमित का कारबाना है या प्रदायकर्ता का कारबाह का स्थान है, जारी किए गए प्रमाणपत्र के बल पर कर लेता है :

परन्तु जहाँ प्रमाणपत्र के आधार पर विनियमित या प्रदायकर्ता की पहचान और पते का समाधान किया जाता है, वहाँ शुल्क के मुजरे का उपयोग करने वाला व्यक्ति, मार्ग किए जाने पर समुचित प्रधिकारी के समझ पेश करने के लिए ऐसे प्रमाणपत्र को रखे रहे गा”,

2. नियम 209 में,—

(1) उपनियम (1) में खण्ड (खबर) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखे जाएंगे, अधृत् :—

“(खबर) अंतिम उत्पादों के विनियम में प्रदूक्त किए जाने के लिए निवेशों की बाबत गलती से या यह मुनियित करने के लिए कि समुचित करेंगे हैं किए जिन। उक्त निवेशों पर समुचित शुल्क उसी रूप में संदर्भ दिया गया है जैसा कि गेट-पास में या, इन नियमों के अधीन अनुमोदित किसी अन्य दस्तावेज में उपर्याप्ति है, या यथास्थिति इसके साथ उत्पाद शुल्क या प्रतिरोधी शुल्क के संबंध के साथ स्वरूप है, मुजरे प्राप्त करता है या ऐसे शुल्क का मुजरा लेता है जो वह जानता है या जिसके बारे में उसे ऐसा विश्वास करने का कारण है कि वह इन नियमों के अधीन अनुशास नहीं है, या निवेशों का उपयोग इन नियमों में उपबंधित रीति से मही करता है, या इन नियमों के उपबंधों में से किसी का उल्लंघन करते हुए निवेशों की बाबत शुल्क के मुजरे का उपयोग करता है, या इन नियमों के अधीन जैसा घोषित है उसके अनुमान उक्त निवेशों की प्राप्ति भी व्ययन और उन पर निए गए शुल्क के मुजरे का समुचित और सही हिसाब नहीं देता है या इन नियमों के प्रधायाय 5 की धारा कक में अन्तर्विष्ट किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करता है, या

(खबर) उसके द्वारा हटाए गए माल के लिए जारी किए गए गेट-पास में जानबूझकर कोई गवाह या अशुद्ध विषयिक्याएँ

इस आशय से दर्ज करता है कि फेला ऐसे मालों की बाबत शुल्क के मुजरे का लाभ लेने की सुविधा पा जाए, जो इन नियमों के अधीन अनुशास नहीं है; या”;

(ii) उपनियम (1) के पञ्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अधृत् :—

“स्पष्टीकरण : उपनियम (1) के खण्ड (खबर) के प्रयोगों के लिए किसी व्यक्ति के बारे में, जो उसके द्वारा प्राप्त किए गए निवेशों पर शुल्क के मुजरे का उपयोग करता है, या समझा जाएगा कि उसने “युक्तियुक्त कदम” उठाए हैं यदि वह व्यास्थिति ऐसे विनियमित या प्रदायकर्ता, जो इन नियमों के अधीन अनुमोदित गेट पास या कोई अन्य दस्तावेज जारी करता है, जो इस बात के माध्यमस्थल्क है कि यथास्थिति उत्पादनकारी या प्रतिरोधी शुल्क का संदेश किया गया है, की पहचान और पते के बारे में अपना समाधान

(क) या सी अपनी व्यक्तिक जानकारी है, या

(ख) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसके हस्ताक्षर या छन्दोलेख में वह परिचित है, दिए गए प्रमाणपत्र के बल पर, या

(ग) व्यास्थिति विनियमित या प्रदायकर्ता को ऐसे केवल उत्पादनकारी अधीक्षक द्वारा, जिसकी अधिकारिता के भीतर विनियमित का कारबाना है या प्रदायकर्ता का कारबाह का स्थान है, जारी किए गए प्रमाणपत्र के बल पर कर लेता है .

परन्तु जहाँ प्रमाणपत्र के आधार पर विनियमित या प्रदायकर्ता की पहचान और पते का समाधान किया जाता है, वहाँ शुल्क के मुजरे का उपयोग करने वाला व्यक्ति, मार्ग किए जाने पर समुचित प्रधिकारी के समझ पेश करने लिए ऐसे प्रमाणपत्र को रखे रहेगा ।”

[फा. सं. 211/36/86-सी.एक्स. 6]

अजय कुमार प्रसाद, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd December, 1986

## NOTIFICATION

No. 466/86-Central Excises

G.S.R. 1301(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

- (1) These rules may be called the Central Excise (17th Amendment) Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944,—

(1) in rule 173-Q,—

- (i) in sub-rule (1), for clause (bb), the following clauses shall be substituted

namely :—

“(bb) takes credit of duty in respect of input for being used in the manufacture of final products wrongly or without taking reasonable steps to ensure that appropriate duty on the said input has been paid as indicated in the gate-pass or any other document approved under these rules evidencing the payment of excise duty or the countervailing duty, as the case may be, accompanying thereof, or takes credit of duty which he knows or which he has reason to believe, is not permissible under these rules, or does not utilise the inputs in the manner provided for in these rules, or utilises credit of duty in respect of inputs in contravention of any of the provisions of these rules, or does not render proper and true account of the receipt and disposal of the said inputs and the credit of duty taken thereon as required under these rules, or contravenes any of the provisions contained in Section AA of Chapter V of these rules; or (bbb) enters wilfully any wrong or incorrect particulars in the gate-pass issued for the goods removed by him with intent to facilitate the buyer to avail of credit of the duty in respect of such goods which is not permissible under these rules; or”;

(ii) after sub-rule (1), the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation : For the purposes of clause (bb) of sub-rule (1), a person availing of credit of duty on inputs received by him shall be deemed to have taken “reasonable steps” if he satisfied himself about the identity and address of the manufacturer or supplier, as the case may be, issuing the gate-pass or any other document approved under these rules evidencing the payment of excise duty or the countervailing duty as the case may be, either—

- (a) from his personal knowledge; or
- (b) on the strength of a certificate given by a person with whose handwriting or signature he is familiar; or,
- (c) on the strength of a certificate issued to the manufacturer or the supplier, as the case may be, by the Superintendent of Central Excise within whose jurisdiction such manufacturer has his factory or the supplier has his place of business :

Provided that where the identity and address of the manufacturer or the supplier is satisfied on the strength of a certificate, the person availing of credit of duty shall retain such certificate for production before the proper officer on demand;

(2) in rule 209,—

(i) in sub-rule (1), for clause (bb), the following clauses shall be substituted namely :—

“(bb) takes credit of duty in respect of inputs used in the manufacturer of final products wrongly or without taking reasonable steps to ensure that appropriate duty on the said inputs has been paid as indicated in the gate-pass or any other document approval under these rules evidencing the payment of excise duty or the countervailing duty, as the case may be, accompanying thereof, or takes credit of duty which he knows, or which he has reason to believe, is not permissible under these rules, or does not utilise the inputs in the manner provided for in these rules or utilises credit of duty in respect of inputs in contravention of any of the provisions of these rules, or does not render proper and true account of the receipt and disposal of the said inputs and the credit of duty taken thereon as required under these rules, or contravenes any of the provisions contained in Section AA of Chapter V of these rules, or

(bbb) enters wilfully any wrong or incorrect particulars in the gate-pass issued for the goods removed by him with intent to facilitate the buyer to avail of credit of the duty in respect of such goods which is not permissible under these rules; or”;

(ii) after sub-rule (1), the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation : For the purposes of clause (bb) of sub-rule (1), a person availing of credit of duty on inputs received by him shall be deemed to have taken “reasonable steps” if he satisfies himself about the identity and address of the manufacturer or supplier, as the case may be, issuing the gate pass or

any other document approved under these rules evidencing the payment of excise duty or the countervailing duty, as the case may be, either—

- (a) from his personal knowledge; or
- (b) on the strength of a certificate given by a person with whose handwriting or signature he is familiar; or,
- (c) on the strength of a certificate issued to the manufacturer or the supplier, as the case may be, by the Supe-

rintendent of Central Excise within whose jurisdiction such manufacturer has his factory or the supplier has his place of business :

Provided that where the identity and address of the manufacturer or the supplier is satisfied on the strength of a certificate, the person availing of credit of duty shall retain such certificate for production before the proper officer on demand".

[F. No. 211/36/86-CX. 6]  
A. K. PRASAD, Under Secy.